NOTIFICATION NO-559/2024
NOTIFICATION DATE: 22/5/2024
STUDENT NAME: ARHAMA KHAN
SUPERVISOR NAME: Prof. AJAY KUMAR NAURIYA
TOPIC: SURENDRA VERMA KE NATAKON MEIN MITHAK AUR ITHAS MEIN ADHUNIKTA KI SAH UPASTHITI KA ADHYAYAN
DEPARTMENT: HINDI
KEYWORD: NATAK, ADHUNIKTA, MITHAK, ITHAS, SUKSHAM, ANTR DVANDVA

FINDING

भूमिका
पहला अध्याय : मिथक, इतिहास और आधुनिकता : स्वरुप एवं विश्लेषण
दूसरा अध्याय : आधुनिक हिन्दी नाटकों में मिथक तथा इतिहास का अध्ययन
तीसरा अध्याय : आधुनिकता के सन्दर्भ में, सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों में मिथक और इतिहास का अध्ययन
चौथा अध्याय : आधुनिकता के सन्दर्भ में, सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों में रंमंचीय प्रयोग
पाँचवा अध्याय : सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों की भाषा
उपसंहार

निष्कर्ष

आधुनिकता नवीन वैज्ञानिक तर्कयुक्त दृष्टिकोण है जो रूढ़िबध्यता और स्थिर परम्परा के विरुद्ध है। इसमें व्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न सर्वोपरी है। सुरेन्द्र वर्मा के नाटक व्यक्ति केन्द्रित हैं। सुरेन्द्र वर्मा ने इतिहास और मिथक को आधार बनाकर आधुनिक दृष्टि पर आधारित नाटक लिखे हैं। आधुनिक दृष्टि को आधार बनाकर लिखे गये नाटकों को, ऐतिहासिक-पौराणिक न मानकर, उन्हें आधुनिक ही मान सकते हैं। सुरेन्द्र वर्मा ने पारिवारिक और व्यक्तिगत संबंधों तथा उनके बदलते मूल्यों को लक्ष्य करके ऐतिहासिक तथा मिथकीय नाटकों की रचना की है। उनके नाटकों में अधिकांश गुणों और दोषों से युक्त चरित्र हैं जो भारतेंदु और प्रसाद के युग में नहीं मिलते। पात्रों का सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण, उनके व्यवहार के मूल कारणों का जाँच-पड़ताल, कुंठाओं और ग्रन्थियों की गहरी पहचान, उलझते संबंधों और टूटते विश्वासों का चित्रण सुरेन्द्र वर्मा की आधुनिक दृष्टि की पहचान है।